कन्हैया मेरे भईया | by Amit Kalra Meetu

कन्हैया ओ कन्हैया कन्हैया
नहीं मेरा कोई भाई तू ही बन जा मेरा भैया
कन्हैया .....
कन्हैया ओ कन्हैया.....

बचपन से ही तुझे मानती आई अपना भैया
जबसे माँ ने मुझे कहा तेरा भाई कृष्ण कन्हैया
गाय चरैया बंसी बजैया जो है रास रचैया
कन्हैया .....
कन्हैया ओ कन्हैया.....

बाट जोहती रही है तेरी जाने कितनी रातों
आ राखी बंधवाने भैया इस बहना के हाथों
भूखी प्यासी बैठी भैया लेने तेरी बलइयां
कन्हैया .....
कन्हैया ओ कन्हैया.....

कब से स्वप्न संजोया भैया एक दिन तू आएगा
बंधवाकर मुझसे राखी माखन मिश्री खायेगा
मैं भी अपनी राखी देखूं भैया की क़लईया
कन्हैया .....
कन्हैया ओ कन्हैया.....

कलयुग में ना भाई कोई कान्हा तेरे जैसा
लाज निभा सकता राखी की तू ही है एक ऐसा
तू ही पार लगाने वाला मेरी जीवन नैया
कन्हैया .....
कन्हैया ओ कन्हैया.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a5%88%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%ad%e0%a4%88%e0%a4%af%e0%a4%be-by-amit-kalra-meetu/